

प्रेमक,

उ श्लोका बन्दु गुप्त,
अनु सचिव
उत्तर प्रदेश शासन ।

सेवा में,

सचिव,
केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा परिषद,
शिक्षा केन्द्र-2, तमब्राह्म केन्द्र,
श्री तीर्थ विहार, नई दिल्ली ।

शिक्षा 4713/अनुभाग

तारीख: दिनांक 21 मई 2001

विषय:- डेप्टी डिप्टी सचिवक स्कूल मिर्जापुर को सी०बी०एस्त०ई०नई दिल्ली से संबद्धता हेतु अनापत्ति प्रमाण पत्र दिया जाना ।

संक्षेप,

उपर्युक्त विषय पर मुझे यह कदम का निर्देश हुआ है कि डेप्टी डिप्टी सचिवक स्कूल मिर्जापुर को सी०बी०एस्त०ई०नई दिल्ली से संबद्धता हेतु अनापत्ति प्रमाण पत्र दिए जाने में इस राज्य सरकार को निम्नलिखित प्रतिबंधों के अधीन अनापत्ति नहीं है:-

- 1.11 विद्यालय की इन्जीनूत सीतावली का समय-समय पर नवीनीकरण कराया जायेगा।
- 1.20 विद्यालय की प्रमुख समिति में शिक्षा निर्देशक द्वारा नामित एक सदस्य होगा।
- 1.31 विद्यालय में कम से कम 10 प्रतिशत स्थान अनुसूचित जाति/अनुसूचित जन जाति के बच्चों के लिये सुरक्षित रहेंगे और उनसे उ०बु० माध्यमिक शिक्षा परिषद द्वारा तय किये गये विद्यालयों में विभिन्न कक्षाओं के लिये निर्धारित शुल्क से अधिक शुल्क नहीं लिया जायेगा।
- 1.41 संस्था द्वारा राज्य सरकार से किसी अनुदान की मांग नहीं की जायेगी और यदि पूर्व में विद्यालय माध्यमिक शिक्षा परिषद अथवा केंद्रीय शिक्षा परिषद से मान्यता प्राप्त है तथा विद्यालय की संबद्धता केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा परिषद से मान्यता प्राप्त है तथा विद्यालय की संबद्धता केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा परिषद नई दिल्ली से प्राप्त होती है तो उस परीक्षा वर्ष से उसका केन्द्रीय परिषदों की संबद्धता प्राप्त होने की तिथि से उ०बु० मा०श्री० परिषद द्वारा प्रदत्त मान्यता तथा राज्य सरकार से प्राप्त अनुदान स्वतः समाप्त हो जायेगा।

151 तंत्रिका विधि एवं विद्योत्तर कर्मचारियों को राज्यीय तहायता प्राप्त शिक्षा तंत्रणियों के कर्मचारियों को अनुसूच्य वेतनमानों तथा अन्य भत्तों से कम वेतनमान तथा अन्य भत्तों नहीं दिये जायेंगे ।

161 कर्मचारियों को सेवा गौं बनाई जायेंगी और उन्हें तहायता प्राप्त आगतकीय उ०आ० विधानों के कर्मचारियों के अनुसूच्य सेवा नियुक्ति का लाभ उपलब्ध कराये जायेंगे ।

171 राज्य सरकार द्वारा समय-समय पर जो भी आदेश निर्गत किये जायेंगे तंत्रिका उनका पालन करेंगी ।

181 उक्त शर्तों में राज्य सरकार के बुद्धिमूर्खों के बिना कोई परियोजना/संशोधन या परिवर्द्धन नहीं किया जायेगा ।

2- उक्त प्रतिक्रिया का पालन करना तंत्रिका के लिए अनिवार्य होगा और यदि किसी समय यह पाया जाता है कि तंत्रिका द्वारा उक्त प्रतिक्रिया का पालन नहीं किया जा रहा है उक्त पालन करने में जितने भी प्रकार के युक्त या विधिगत बदलाव जा रही हैती राज्य सरकार द्वारा पुदरत उपाय रित्त प्रदान पर वापस से किया जायेगा ।

भवदीय,

। अश्विनी चन्द्र गुप्ता
अनु सचिव ।

पु०सं०-ई एम 618111/15-7-तद्विनांक।

प्रतिनिधि नियमनिकित्त को सुचना के एवं आवाज के कार्यवाही हेतु

इति:-

- 1- शिक्षा निदेशक उत्तर प्रदेश, मथुरा ।
- 2- मुख्य सचिव शिक्षा निदेशक मिवापुर ।
- 3- शिक्षा विभागाध्यक्ष मिवापुर, मिवापुर ।
- 4- आगत भारतीय विधान उ०आ०, मथुरा ।
- 5- मुख्य सचिव शिक्षा विभाग तमिल मिवापुर ।
- 6- गार्ड फाइल ।

उक्त है,

। अश्विनी चन्द्र गुप्ता ।
अनु सचिव ।